an>

Title: Need to give compensation to farmers whose crop got damaged due to cyclone and heavy rains in Sheohar Parliamentary Constituency.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): अध्यक्ष महोदया, आपने शून्य काल में एक बहुत जरूरी विषय को उठाने का मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूं। हमारे बेहतर सुधार के बावजूद भी हमारे देश विशेÂषकर बिहार के किसानों की जो आर्थिक स्थिति है, वह किसी से छिपी हुई नहीं है। मुझे लगता है कि इसका एक कारण समय-समय पर मौसम की बेरूखी रही है। दिनांक 10 मार्च, 2017 से 20 मार्च, 2017 के बीच संसदीय क्षेत्र शिवहर, पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी जिले में तूफान एवं बारिश के साथ भारी ओलावृष्टि हुई। इससे किसानों के खेतों में लगी रबी फसल, जैसे मसूर, गेहूं, मक्का, सरसों आदि की काफी क्षति हुई। ओलावृष्टि इतनी अधिक हुई कि शेड एवं छप्पर पर निर्मित मकान भी क्षति ग्रस्त हो गए तथा दो घंटे के बाद भी खेतों तथा छत पर बर्फ के बड़े-बड़े टुकड़े देखे जा सकते थे। अचानक आई इस प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान ने किसानों एवं गरीबों की कमर तोड़ दी है, जिससे उनमें काफी मायूसी है। उन्हें सरकार से तत्काल कोई राहत नहीं मिली है। किसानों और गरीबों का हित हमारी केन्द्र सरकार की भी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मैं सदन के माध्यम से अनुरोध करती हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र शिवहर, पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी जिले में तूफान एवं बारिश के साथ जो भारी ओलावृष्टि हुई है, उसके नुकसान का आकलन करते हुए किसानों को मुआवजा देने की कोशिश की जाए।